



VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050



+918988886060

www.vajiraoinstitute.com



info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(29 March 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- म्यांमार में शक्तिशाली भूकंप का प्रकोप; मृतकों की संख्या 1,000 से अधिक
- इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण के लिए 23 हजार करोड़ रुपये की PLI योजना को मंजूरी

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



म्यांमार में शक्तिशाली भूकंप का प्रकोप; मृतकों की संख्या 1,000 से अधिक:

परिचय:

- 28 मार्च को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद म्यांमार में 1,000 से ज़्यादा लोग मारे गए और हजारों लोग घायल हो गए। इस भूकंप का असर पड़ोसी देशों में भी महसूस किया गया। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक निर्माणाधीन गगनचुंबी इमारत ढह गई, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, हालांकि किसी के हताहत होने या कोई खास नुकसान होने की खबर नहीं है।
- इस भूकंप का केंद्र मांडले, जो लगभग 15 लाख लोगों की आबादी वाला महानगर है, से 17.2 किलोमीटर दूर स्थित था। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (USGS)



ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



के अनुसार, यह एक उथला भूकंप था, जिसकी गहराई केवल 10 किलोमीटर थी और यह पिछले दो वर्षों में दुनिया में सबसे शक्तिशाली भूकंप था।

भूकंप किस कारण से आते हैं?

- उल्लेखनीय है कि भूकंप धरती की सतह के नीचे होने वाली हलचल के कारण ज़मीन का तीव्र कंपन होता है। ऐसा तब होता है जब धरती के दो ब्लॉक या प्लेट अचानक एक दूसरे से खिसक जाते हैं। इससे भूकंपीय तरंगों के रूप में संग्रहित 'लोचदार तनाव' ऊर्जा निकलती है, जो धरती में फैलती है और जमीन को हिलाती है।
- ध्यातव्य है कि पृथ्वी की सबसे बाहरी सतह, क्रस्ट, टेक्टोनिक प्लेटों में विखंडित है। प्लेटों के किनारों को प्लेट सीमाएँ कहा जाता है, जो फॉल्ट से बनी होती हैं। टेक्टोनिक प्लेटें लगातार धीमी गति से चलती हैं, एक दूसरे से खिसकती हैं और एक दूसरे से टकराती हैं।
- चूँकि प्लेटों के किनारे काफी खुरदरे होते हैं, इसलिए वे एक दूसरे से चिपक जाती हैं जबकि प्लेट का बाकी हिस्सा हिलता रहता है। ऐसे में भूकंप तब आता है जब प्लेट काफी दूर चली जाती है और किनारे किसी फॉल्ट पर चिपक जाते हैं।

ADDRESS:

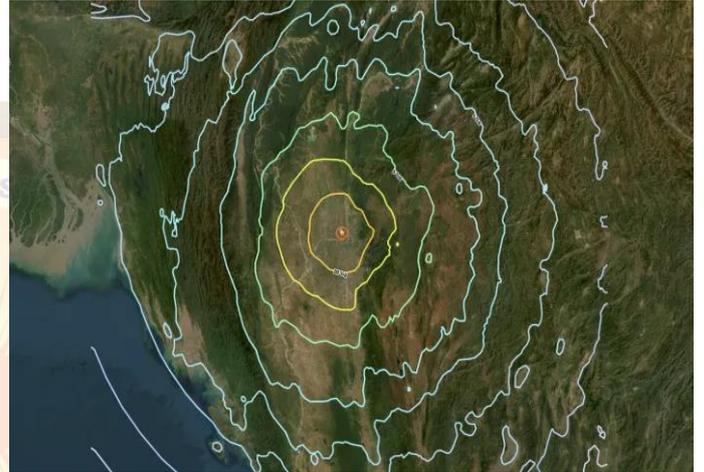
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- पृथ्वी की सतह के नीचे वह स्थान जहाँ भूकंप शुरू होता है उसे अवकेन्द्र (हाइपोसेंटर) कहा जाता है, और पृथ्वी की सतह पर उसके ठीक ऊपर वाले स्थान को उपरिकेंद्र (एपिसेंटर) कहा जाता है।

इस भूकंप का कारण क्या है?

- यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) ने कहा कि म्यांमार में भूकंप भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के बीच "स्ट्राइक स्लिप फॉल्टिंग" के कारण हुआ, जिसका अर्थ है कि ये दोनों प्लेट एक दूसरे से रगड़ खा रही थी।
- यह भूकंप 'सागाइंग' फॉल्ट पर हुआ, जो म्यांमार के केंद्र से उत्तर से दक्षिण की ओर जाता है, और भूकंप के लिए प्रवण है।



म्यांमार में भूकंप का बारंबार आने की घटना:

- उल्लेखनीय है कि म्यांमार में 'सागाइंग' फॉल्ट के कारण अक्सर भूकंप आते रहते हैं। 1900 से, 'सागाइंग' फॉल्ट के पास 7 से अधिक तीव्रता वाले कम से कम छह भूकंप आ चुके हैं। पिछले 100 वर्षों में, म्यांमार ने 6 या उससे अधिक तीव्रता वाले 14 भूकंप देखे हैं।

ADDRESS:



- इनमें से सबसे हालिया जनवरी 1990 में 7 तीव्रता का भूकंप था। फरवरी 1912 में, हालिया भूकंप के केंद्र के ठीक दक्षिण में 7.9 तीव्रता का भूकंप आया था। 2016 में लगभग उसी क्षेत्र में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया।
- लेकिन इस क्षेत्र में आने वाले सबसे भयानक भूकंपों में से एक 1839 में आया था। माना जाता है कि वह भूकंप 8.3 तीव्रता का था और अनुमान है कि उसमें 300-400 लोग मारे गए थे।

उथले भूकंप ज्यादा खतरनाक क्यों होते हैं?

- आमतौर पर उथले भूकंप ज्यादा खतरनाक होते हैं क्योंकि सतह पर आने पर वे, सतह के अधिक गहराई में आने वाले भूकंप से ज्यादा ऊर्जा लेकर आते हैं। हालांकि गहरे भूकंप वास्तव में दूर तक फैलते हैं क्योंकि भूकंपीय तरंगें सतह की ओर रेडियल रूप से ऊपर की ओर बढ़ती हैं, वे ज्यादा दूरी तय करते समय ऊर्जा खो देती हैं।
- गहराई के अलावा, भूकंप की तीव्रता भी इस बात का संकेत है कि भूकंप कितना विनाशकारी हो सकता है। तीव्रता बताती है कि भूकंपीय तरंगें कितनी बड़ी हैं, जबकि ताकत से तात्पर्य उनमें मौजूद ऊर्जा से है। परिमाण में प्रत्येक पूर्ण संख्या वृद्धि मापे गए आयाम में दस गुना वृद्धि दर्शाती है, और यह 32 गुना अधिक ऊर्जा रिलीज दर्शाती है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण के लिए 23 हजार करोड़ रुपये की PLI योजना को मंजूरी:

परिचय:

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 28 मार्च को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विनिर्माण के लिए 22,919 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी, जो छह साल की अवधि के लिए है। इस योजना का उद्देश्य वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की उपस्थिति को गहरा करना है, जबकि देश में घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ाना है।
- भारत सरकार को उम्मीद है कि इस योजना के तहत कम से कम 91,600 प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी, और सरकार ने इसमें भाग लेने वाली संस्थाओं की वार्षिक सब्सिडी को उनके द्वारा पैदा की गई नौकरियों की संख्या से जोड़ दिया है। इसके अतिरिक्त इस योजना से 4.56 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन होने और 59,350 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश आने की उम्मीद है।



ADDRESS:



बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य:

- केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना के बाद कंपोनेंट आयात में कमी आएगी। साथ ही हमें आयात प्रतिस्थापन मानसिकता से बाहर आकर निर्यात आधारित प्रोत्साहन के साथ आगे बढ़ना होगा।
- क्योंकि बड़े पैमाने पर विनिर्माण के बाद ही व्यवहार्यता आती है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण जो अभी लगभग 120 अरब डॉलर का है, आने वाले वर्षों में सरकार इसे 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य बना रही है।
- वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक्स भारत की तीन सबसे बड़ी निर्यातित वस्तुओं में से एक है, जिसका मूल्य 2.5 लाख करोड़ रुपये है। अगले चार वर्षों में इसके दोगुना होने की संभावना है।

स्मार्टफोन निर्माण के लिए PLI योजना का अगला चरण:

- यह प्रोत्साहन योजना इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए सरकार की पिछली उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना से इस मामले में अलग है कि इसमें भाग लेने वाली कंपनियां किस तरह सब्सिडी का लाभ उठा सकती हैं। इसमें प्रोत्साहन को तीन प्रमुख मापदंडों से जोड़ा गया है: वार्षिक रोजगार सृजन, पूंजीगत व्यय की जरूरतें और वार्षिक उत्पादन।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- उल्लेखनीय है कि स्मार्टफोन निर्माण के लिए PLI योजना के समाप्त होने के बाद घटक प्रोत्साहन योजना एक महत्वपूर्ण अगला कदम है। क्योंकि एप्पल और सैमसंग जैसी कंपनियों द्वारा भारत में अपनी समग्र असेंबली का कुछ हिस्सा स्थानीयकृत करने के बावजूद, घरेलू मूल्य संवर्धन अपेक्षाकृत कम रहा है - लगभग 15-20 प्रतिशत - सरकार इसे कम से कम 30-40 प्रतिशत तक बढ़ाने की उम्मीद कर रही है।
- इसके लिए सेमीकंडक्टर के लिए प्रोत्साहन योजना के साथ-साथ, सरकार ने अब इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण की लगभग सभी परतों/घटकों के लिए प्रोत्साहन/समर्थन शुरू किया है। चीन, जो पिछले कई दशकों से इलेक्ट्रॉनिक घटक क्षेत्र में निर्णायक बढ़त रखता है, का घरेलू मूल्य संवर्धन लगभग 38 प्रतिशत है।

किन इलेक्ट्रॉनिक्स घटकों पर बल है?

- इस योजना के जरिए सरकार जिन घटकों को लक्षित करना चाहती है, उनमें डिस्प्ले मॉड्यूल, सब असेंबली कैमरा मॉड्यूल, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड असेंबली, लिथियम सेल एनक्लोजर, रेसिस्टर्स, कैपेसिटर और फेराइट्स आदि शामिल हैं।
- इनका इस्तेमाल स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे गैजेट्स और माइक्रोवेव ओवन, रेफ्रिजरेटर और टोस्टर जैसे उपकरणों में किया जाता है।

ADDRESS:



देश में इलेक्ट्रॉनिक घटकों का घरेलू विनिर्माण क्षमता महत्वपूर्ण क्यों है?

- उल्लेखनीय है कि आईटी मंत्रालय द्वारा पिछले साल किए गए एक आंतरिक मूल्यांकन में, सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक घटक क्षेत्र में एक “बहुत बड़ा” मांग-आपूर्ति अंतर – अकेले घरेलू खपत के लिए 100 अरब डॉलर और अगर भारत कुछ घटकों का निर्यात करना चाहता है तो 140 अरब डॉलर – की पहचान की थी। यह अंतर भारत की मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक घटक की घरेलू उत्पादन क्षमता का लगभग 10 गुना है। 2022-23 में, देश का इलेक्ट्रॉनिक घटक उत्पादन 10.75 अरब डॉलर था, जो कुल इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन का केवल लगभग 10 प्रतिशत था।
- इस प्रवृत्ति के अनुसार, 2028-29 तक इलेक्ट्रॉनिक घटकों की मांग 160 अरब डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है।
- इलेक्ट्रॉनिक मंत्रालय के मूल्यांकन के अनुसार चूंकि इलेक्ट्रॉनिक घटकों का आयात लगभग 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, इसलिए मांग को पूरा करने के लिए निर्यात के साथ हमारे घटकों के उत्पादन को 53 प्रतिशत से अधिक की CAGR से बढ़ाना होगा।
- इस मूल्यांकन ने स्वीकार किया कि स्मार्टफोन के लिए PLI योजना के परिणामस्वरूप तैयार उत्पादों के आयात लगभग समाप्त हो गया है, लेकिन एकीकृत

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



सर्कित सहित प्रमुख घटकों और उप-असेंबली का आयात वित्त वर्ष 2020-21 में 29 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 46.5 अरब डॉलर हो गया।

देश में इलेक्ट्रॉनिक घटकों के विनिर्माण से जुड़ी प्रमुख चुनौतियां:

- इस आकलन रिपोर्ट के अनुसार देश में इलेक्ट्रॉनिक घटकों के विनिर्माण के मामले में तीन प्रमुख चुनौतियों की पहचान की गयी है।
- सबसे पहले, देश में इलेक्ट्रॉनिक घटकों घरेलू पैमाने की मौजूदा कमी।
- दूसरा, टर्नओवर अनुपात में उच्च निवेश - स्मार्टफोन जैसे तैयार उत्पादों के मामले में, जिस पर भारत वर्तमान में ध्यान केंद्रित कर रहा है, निवेश का प्रत्येक रुपया लगभग 20 रुपये ला सकता है। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक घटकों के मामले में, निवेश का प्रत्येक रुपया लगभग 2-4 रुपये लाता है।
- तीसरा, भारत में उच्च घरेलू मांग है, जिसके कारण इलेक्ट्रॉनिक घटकों का एक बड़ा हिस्सा आयात किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इलेक्ट्रॉनिक्स तेल के बाद दूसरी सबसे बड़ी आयात वस्तु है, जो भारत में कुल इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन का लगभग 75 प्रतिशत है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)